

## प्रेस विज्ञाप्ति :-

केन्द्रीय विद्यालय, कमला नेहरू नगर, गाजियाबाद  
में ७३ वाँ स्वतन्त्रता दिवस के उत्साह और भविता  
के साथ मनाया गया। इस बार हमारे प्यारे देश में  
यह राष्ट्रीय पर्व विशेष ऐतिहासिक महत्व रखता  
है, क्योंकि इस बार प्यारे देश में रिरंगा फहराया  
गया है, पहले जम्मू-कश्मीर में ध्वारा ३७० होने  
के कारण एक मात्र यह राज्य ऐसा था जहाँ  
भारतीय ध्वज नहीं फहराया जाता था।

विद्यालय में छात्र-छात्राओं ने मोहक रंग-  
बिरंगी वेश-भूषा में राष्ट्रीयता के भावों से  
ओत-प्रोत देश भक्ति के सुरिले मधुर गीत,  
समृद्धगान, नृत्य, प्रस्तुति किए, कक्षा-१० की  
छात्रा अनुराधा ने स्वतन्त्रता दिवस के महत्व पर  
भाषण दिया, कक्षा-१२ "ब" साक्षी द्वा ने अंग्रेजी में भाषण दिया।  
कक्षा-७ "ब" की छात्रा अंतिमा ने कार्यक्रम संचालन  
किया।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष  
संचार रत्न श्री एम. के. सिठ, विद्यालय के कमठिप्राच्छर्प  
श्री विजय कुमार, उप प्राचार्य श्री चन्द्र मोहन सिंह,  
मुरव्य अध्यापक तथा विद्यालय के शिक्षक वृन्द  
अन्य विद्यालयों से आए शिक्षक गण, और भावक  
जन वडी संघों में उपस्थित हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की हैंयारी दोनों पालियों  
की संगीत शिक्षक जी ने करायी, जिसकी  
प्रस्तुतियों ने सभी को मन-व मुग्ध कर  
दिया।

विद्यालय के ज्ञा सी. सी. ए. प्रभारी श्री एस. पी. यादव  
फोटो गृही में श्री रम. आर. शर्मा, श्री सत्येन्द्र  
सिंह का विशेष योगदान रहा।

माननीय श्री एम. के. सेठ तथा प्राचार्य  
श्री विजय कुमार ने प्रेरणादायक उद्बोधन  
दिया अन्त में भिट्ठान्न वितरण के  
साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

विद्यालय परिसर भारत माता, वन्दे मातरम्  
के नारों से गुंजाय मान छूँड़ हो उठा।

इस अवसर पर मुख्य अधिकारी श्री एम. के.  
सेठ ने विद्यालय के गौरव स्वरूप उन दातों  
को सम्मानित किया जिन्होंने सी. बी. एस. ई.  
परीक्षा परिणाम में विद्यालय की कीर्ति विध्वन  
का कार्य किया है। कक्षा-12, "विज्ञान संबंध" से  
वैभव अनुरागी, सुकृति यादव "विज्ञान" प्रक्ता राणा  
मानविकी संबंध से इन तीनों को 10-10 हजार  
का चैक देकर सम्मानित किया। कक्षा-10 में  
सी. बी. एस. ई. परीक्षा परिणाम में अतिउत्तम  
प्रदर्शन करने वाले अनन्त कुमार और सवाल,  
ईशा यादव को 5-5 हजार का चैक  
देकर सम्मान दिया गया।

उपर्युक्त जन समूह ने विद्यालय के  
प्राचार्य व शिक्षकों की प्रशंसा की।